

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRI BHASKAR RAO NEKKANTI (Odisha): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

Demand to recognize Odisha's Maritime trade history and utilize its potential in India's foreign policy

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Mr. Chairman, Sir, as the maritime space re-emerges as the theatre for geopolitical competition, it is imperative to tap into the great potential that Odisha's rich ancient maritime civilization has to offer, and use that information to strengthen our cultural diplomacy.

Odisha was instrumental in shaping the history and culture for South-East Asia. Kalinga had maritime trade links with South-Asian, East-African, and certain Arab countries. This maritime trade not only helped in economic development, but also led to greater socio-cultural assimilation of the whole region. For instance, Odisha played a significant role in the evolution of Hindu culture in Bali.

The trade routes, discovered by our forefathers in Odisha, have not only socio-cultural significance, but geo-political consequence as well, in today's day and age. The impact that maritime trade of Odisha had created in the Indo-Pacific region 'then' could provide an edge for India to negotiate diplomatically 'now' in a better way, if we develop this perspective. Therefore, I urge the Government to promote further research and study, as there is lack of information about the ancient maritime history of Odisha. Most of it remains unexplored. Tapping into the ancient maritime culture of Odisha will provide a whole new dimension to India's strength in cultural diplomacy and soft power in harbouring greater ties with South-East Asia.

We also need proper archaeological and scientific survey of coastal Odisha which will help in locating the unidentified ports.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI BHASKAR RAO NEKKANTI (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI SUBHASH CHANDRA SINGH (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI SUJEET KUMAR (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

MATTERS RAISED WITH PERMISSION - Contd.

MR. CHAIRMAN: Now, Shri Harnath Singh Yadav to raise his Zero Hour submission on the issue of low salaries of technical staff. ...(*Interruptions*)... इनका Zero Hour वाला विषय है। जिन्होंने नोटिस दिया है, उनको कैसे इग्नोर कर सकते हैं।

Low salaries of technical and supporting staff of private hospitals and medical education institutions

श्री हरनाथ सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): माननीय सभापति जी, मैं आपके माध्यम से निजी चिकित्सालयों में सेवारत सहयोगी व तकनीकी स्टाफ की समस्याओं की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ। विगत सात वर्षों में सरकार ने देशवासियों को श्रेष्ठतम चिकित्सा सुविधाएं देने के अथक प्रयास किए हैं, इसके लिए मैं प्रधान मंत्री जी का आभार प्रकट करता हूँ।

महोदय, हम सभी जानते हैं कि नागरिकों को अच्छी चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने में सभी प्रकार के चिकित्सालयों में तकनीकी व अन्य सहयोगी स्टाफ की भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण होती है और ये वर्ग अपनी श्रेष्ठ सेवाएं रोगियों को तभी दे सकते हैं, जब वे मानसिक तनाव से पूरी तरीके से मुक्त हों।

महोदय, देश भर में निजी चिकित्सालयों में सहयोगी व तकनीकी कर्मचारियों की संख्या एक अनुमान के अनुसार 80 लाख से अधिक है, परंतु इन कर्मचारियों का वेतन बहुत कम होता है। मोटे तौर पर कहूं तो इन्हें 8 हजार से 10 हजार रुपये, 15 हजार से 20 हजार रुपये तक वेतन मिलता है। आप कल्पना करें कि आज के इस महंगाई के युग में इतने कम वेतन में कोई भी व्यक्ति अपनी न्यूनतम आवश्यकताओं को कैसे पूर्ण कर सकता है। इसके साथ-साथ इस श्रेणी के लोगों में नौकरी से निकालने की एक अदृश्य तलवार इनकी गर्दन पर हर समय लटकती रहती है। वे अल्प वेतन और असुरक्षा की भावना के कारण से तनाव में रहते हैं। परिणामतः वह रोगियों को अच्छी सेवाएं देने में भी असमर्थ रहते हैं। कोई भी चिकित्सालय अच्छे एक्स-रे टेक्नीशियन, पैथोलॉजी टेक्नीशियन, ईसीजी टेक्नीशियन, ऑपरेशन थिएटर टेक्नीशियन, नर्सिंग स्टाफ, सफाई कर्मचारी, सुरक्षा गार्ड, फार्मसिस्ट तथा अच्छे प्रशासनिक ढांचे के बिना उच्च कोटि की स्वास्थ्य सेवाएं नहीं दे सकता।

महोदय, हम सभी जानते हैं कि निजी चिकित्सालय रोगियों के उपचार में मोटी रकम वसूलते हैं, परंतु वे चिकित्सा सेवाओं के असली नायकों का बहुत अधिक आर्थिक व मानसिक